



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 24 सितम्बर, 1990/2 आश्विन, 1912

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 6 सितम्बर, 1990

संख्या पी सी एच-एच ए (1)-42/87.--क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 1987 (1987 का 13) की धारा 2 द्वारा यथा प्रतिस्थापित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 4 की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसार ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन किया जाना अपेक्षित है।

और क्योंकि ग्राम सभा के क्षेत्रों के पुनर्गठन की प्रक्रिया हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 1987 (1987 का 13) की धारा 3 के अधीन यथा विहित 3 वर्ष की अवधि के भीतर पूर्ण नहीं हो सकी और उक्त अवधि का विस्तारण लोकहित में है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश सरकार पंचायती राज विभाग की अधिसूचना संख्या पी सी एच-एच ए (3)-5/76-5, दिनांक 5 मई, 1990 का क्रम जारी रखते हुए एवं हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संगोघन) अधिनियम, 1990 (199) का अधिनियम संख्या 9 की धारा 2 द्वारा यथा संशोधित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संगोघन) अधिनियम, 1987 (1987 का 13) की धारा 3 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तीन वर्ष की अवधि को तीन मास की बजाए चार मास विस्तारण करते हैं।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

कार्यालय उपायुक्त, जिला किन्नौर, रिकांग पिम्बो

कारण बताओ नोटिस

रिकांग पिम्बो, 17 सितम्बर, 1990

संख्या कनर-502/19-1002.--क्योंकि उप सम्भागीय अधिकारी, विकास खण्ड निचार की रिपोर्ट दिनांक 31 अगस्त, 1990 के अन्तर्गत श्री गोविन्द सिंह नेगी, प्रधान, ग्राम पंचायत पौण्डा ने मुवलिक 20,000/- रु0 सहकारी बैंक निचार से पंचायत स्टाल निर्माण भावानगर हेतु निकालकर उक्त राशि को अपन रिस्तेदार श्री बहादुर सिंह, ग्राम कंगोश वाले को पेशगी दिखाकर उक्त राशि का दुरुपयोग किया है जबकि पंचायत स्टाल का कार्य जो 9/89 को पूर्ण किया जाना चाहिए था आज तक अपूर्ण है।

क्योंकि मुवलिक 20,000/- रुपये दिनांक 20-12-1988 से आज तक पेशगी दिखाकर ग्राम पंचायत को उक्त राशि पर मिलने वाले ब्याज की राशि से वंचित रखा, साथ ही पंचायत स्टाल समय पर तैयार न किये जाने के कारण जो किराये क रूप में एक वर्ष से भी अधिक समय अवधि में आय होनी थी उससे पंचायत को वंचित रखा है।

पंचायत स्टाल का कार्य समय पर न किये जाने के कारण ग्राम पंचायत द्वारा ऋण की किस्त जो 31-3-1990 को मुवलिंग 2,700/- रुपये देय थी को भी कोष में जमा नहीं किया गया।

उपरोक्त से सिद्ध होता है कि श्री गोविन्द सिंह नेगी, प्रधान, ग्राम पंचायत पौण्डा, विकास खण्ड निचार ने मुवलिंग 20,000/- रुपये पेशगी दिखाकर इस राशि का दुरुपयोग किया है तथा समय-समय पर उप सम्भागीय अधिकारी, विकास खण्ड निचार तथा जिला पंचायत अधिकारी, रिकांग पिम्बो द्वारा कार्य समय पर पूर्ण करने तथा राशि ब्याज सहित बैंक में जमा करने के लिये दिये गये निर्देशों की पालना भी नहीं की है।

अतः मैं, शक्ति सिंह चन्देल, जिलाधीश किन्नौर, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 54 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज नियम 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत यह कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि क्यों न श्री गोविन्द सिंह नेगी, प्रधान, ग्राम पंचायत पौण्डा को प्रधान पद से निलम्बित किया जाए तथा राशि का दुरुपयोग करने पर अभियोग दर्ज किया जाए।

श्री गोविन्द सिंह नेगी, प्रधान, ग्राम पंचायत पौण्डा को इस कारण बताओ नोटिस द्वारा निर्देश दिया जाता है कि वह उपरोक्त राशि को ब्याज सहित तुरन्त बैंक में जमा करें तथा अपना स्पष्टीकरण राशि को दुरुपयोग किये जाने का उप सम्भागीय अधिकारी, विकास खण्ड निचार के माध्यम से इस नोटिस के प्राप्त के 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को भेजें। निर्धारित अवधि पर उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

हस्ताक्षरित/-  
उपायुक्त,  
जिला किन्नौर, रिकांग पिम्बो।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचना

बिलासपुर, 19 सितम्बर, 1990

संख्या एफ0 डी0 एस0 बी0 एल0 पी0-7-181 (आपूर्ति)/86-3902-3950.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एफ0 डी0 एस0 बी0 एल0 पी0-7-181 (आपूर्ति)/86-3391-3451, दिनांक 3-8-90 द्वारा आवश्यक वस्तुओं का अधिकतम परचून विक्रय मूल्य निर्धारण किया गया था का प्रसंग जारी रखते हुए जो कि हिमाचल प्रदेश असाधारण राजपत्र में दिनांक 25-8-90 को प्रकाशित हो चुकी है तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी/मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एस0 के0 दास, जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर, जिला बिलासपुर आदेश जारी करता हूँ कि उपरोक्त अधिसूचना द्वारा निर्धारित अधिकतम परचून विक्रय मूल्य अगले दो माह यानि 23-11-90 तक लागू रहेंगे।

एस0 के0 दास,  
जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर,  
जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।

